ृंखला, खण्ड 38, अंक 21 शुक्रवार, 20 मार्च, 1970/फाल्गुन 29, 1891 (शक)
rth Series Vol. XXXVIII, No. 21 Friday, March 20, 1970/Phalguna 29, 1891 (Saka)

# लोक-सभा वाद-विवाद
# का
# संक्षिप्त अनूदित संस्करण

# SUMMARISED TRANSLATED VERSION
# OF
# 4th
# LOK SABHA DEBATES

[ दसवां सत्र ]
Tenth Session

[ खण्ड 38 में अंक 21 से 30 तक हैं
Vol. XXXVIII contains Nos. 21 to 30 ]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

य : एक रुपया
Price : One Rupee

[यह लोक-सभा वाद-विवाद का संक्षिप्त अनूदित संस्करण है और इसमें अंग्रेजी/हिन्दी में दिये गये भाषणों आदि का हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद है ।

This is Translated version in a summary form of Lok Sabha Debates and contains Hindi/English translation of speeches etc. In English/Hindi.]

# विषय-सूची/CONTENTS

अंक—21, शुक्रवार, 20 मार्च, 1970/29 फाल्गुन 1891 (शक)
No.—21, Friday March 20, 1970/Phalguna 29, 1891 (Saka)


| विषय | Subject | पृष्ठ Pages |
|---|---|---|
| निधन सम्बन्धी उल्लेख (श्री जयपाल सिंह का निधन) | Obituary Reference (Death of Shri Jaipal Singh) | 5 |
| अध्यक्ष महोदय | Mr. Speaker | 5—7 |
| श्री यशवन्तराव चव्हाण | Shri Y. B. Chavan | 7—8 |
| डा० राम सुभग सिंह | Dr. Ram Subhag Singh | 8—9 |
| श्री रंगा | Shri Ranga | 9—10 |
| श्री बलराज मधोक | Shri Balraj Madhok | 11 |
| श्री सेझियान | Shri Sezhiyan | 12 |
| श्री राममूर्ति | Shri P. Ramamurti | 12—13 |
| श्री मधु लिमये | Shri Madhu Limaye | 13—14 |
| श्री रामावतार शास्त्री | Shri Ramavatar Shastri | 14—15 |
| श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी | Shri Surendranath Dwivedy | 15—16 |
| श्री प्रकाशवीर शास्त्री | Shri Prakash Vir Shastri | 16—17 |
| श्री तेन्नेटि विश्वनाथम | Shri Tenneti Viswanatham | 17 |


[यह लोक-सभा वाद-विवाद का संक्षिप्त अनुदित संस्करण है और इसमें अंग्रेजी-हिन्दी में दिये गये भाषणों आदि का हिन्दी-अंग्रेजी में अनुवाद है।

This is translated version in a summary form of Lok Sabha Debates and contains Hindi/English translation of Speeches etc. In English/Hindi]

# लोक-सभा
# LOK-SABHA

शुक्रवार, 20 मार्च, 1970/29 फाल्गुन, 1891 (शक)
*Friday, March 20, 1970/Phalguna 29, 1891 (Saka)*

---

**लोक-सभा ग्यारह बजे समवेत हुई ।**
*The Lok-Sabha met at Eleven of the Clock*

**[अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए**
**Mr. Speaker *in the Chair*]**

## निधन संबंधी उल्लेख
## OBITUARY REFERENCE

**[श्री जयपाल सिंह का निधन]**

**अध्यक्ष महोदय** : मुझे सभा को श्री जयपाल सिंह के दुखद निधन की सूचना देनी है, जो 67 वर्ष की अवस्था में आज सबेरे स्वर्ग सिधार गये हैं ।

श्री जयपाल सिंह बिहार राज्य की खुन्टी निर्वाचन-क्षेत्र से इस सभा के सदस्य थे । वह भारत की संविधान सभा, अस्थायी संसद्, पहली, दूसरी तथा तीसरी लोक सभा के सदस्य भी रहे थे । सदस्य के रूप में अपने 24 वर्ष के जीवन में वह योग्य संसद् विज्ञ के रूप में विख्यात रहे। वह एक सुविख्यात खिलाड़ी थे और उन्होंने 1928 में अमस्टरडम में हुए विश्व-खेल समारोह में भारतीय ओलम्पिक हाकी टीम के कैप्टन के रूप में भाग लिया था । उसी समय भारत ने हाकी के खेल में प्रथम बार विश्व विजय प्राप्त की थी । उन्होंने अपना जीवन शिक्षा शास्त्री के रूप में आरम्भ किया था । कल तक वह सभा के कार्यों में सक्रिय भाग ले रहे थे । वह अपनी प्रखर मेधा और विनोदमय टिप्पणियों से हमें चमत्कृत करते रहते थे ।

उनके अकस्मात निधन से हमारे बीच से एक प्रमुख सदस्य उठ गये हैं और हम श्रीमती जहांआरा जयपाल सिंह एवं उनके शोकसंतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हैं ।

हम उनके निधन पर अपार शोक प्रकट करते हैं और मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके शोक संतप्त परिवार को शोक संवेदनायें प्रेषित करने में सभा मेरा साथ देगी ।

**गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण)** : हमें माननीय सदस्य, श्री जयपाल सिंह के

निधन का दुखद समाचार मिला है । वह भारत की राजनीतिक क्षेत्र में विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति थे । वह कुछ समय तक बिहार मंत्रिमंडल के सदस्य रहे और बाद में उन्होंने झारखन्डे दल की स्थापना की । वह एक योग्य संसदविज्ञ, राजनीतिक तथा अच्छे खिलाड़ी थे । देश के आदिवासीय आन्दोलन के इतिहास में अनुसूचित आदिवासियों के नेता के रूप में उनका नाम अवश्य ही अविस्मरणीय रहेगा । हम सब आपके साथ उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति शोक संवेदना प्रकट करते हैं ।

**डा० राम सुभग सिंह** (बक्सर) : अध्यक्ष महोदय, उनके निधन से न केवल बिहार को अपितु पूरे देश को क्षति हुई है । वह भारत की राजनीति में बड़े ही रंगीन तबीयत वाले व्यक्ति थे। वह विशेष रूप से आदिवासी नेता के रूप में प्रसिद्ध थे, और उनके हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहे । उन्होंने न केवल बिहार में अपितु मध्य प्रदेश उड़ीसा तथा अन्य राज्यों में भी आदिवासियों को संगठित किया और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाया । वह प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री थे और उन्होंने उस क्षेत्र में अनेक कालेज और स्कूल खोले । वह झारखंडे दल के संस्थापक थे । वह एक अच्छे खिलाड़ी भी थे । उन्होंने विधान सभाओं में लगभग 24 वर्ष तक सेवा की । उनके निधन से हम सबको भारी दुख हुआ है । उनके निधन से बिहार तथा सम्पूर्ण भारत को जो क्षति पहुंची है, उसकी क्षतिपूर्ति न हो सकेगी । प्रतिपक्ष की ओर से प्रकट की गई शोक-संवेदना श्रीमती जहांआरा जयपाल सिंह को प्रेषित कर दी जायें ।

**श्री रंगा** (श्रीकाकुलम) : अध्यक्ष महोदय, इस महान व्यक्ति के निधन पर हम सब आपके साथ शोक प्रकट करते हैं । वह हमारे देश के आदिवासियों के एक बड़े नेता थे । उन्होंने आदिवासियों का उस समय नेतृत्व किया जब कि उनकी कोई परवाह नहीं करता था । सौभाग्य से ऑक्सफोर्ड में वह मेरे सहपाठी थे । वह वहां 'इंडियन मजलिस' के सभापति थे । उन्होंने इंगलैंड में भारत के हित का समर्थन किया और अफ्रीका में अफ्रीकी लोगों के हितों को बढ़ावा दिया । वह धारा प्रवाह बोलते थे और संसदीय स्तर के हास्य-विनोद से उनके भाषण ओत-प्रोत रहते थे । उन्होंने झारखंडे दल की स्थापना भी की थी जो आज बिहार और उड़ीसा की विधान सभाओं में महत्वपूर्ण स्थान लिये हुए है। आदिवासियों को अन्य लोगों के समकक्ष उठाने का श्रेय उन्हीं का है।

**Shri Balraj Madhok** (South Delhi) : Sir, deaths has snatched away from us, one of our senior colleagues. He was not only the leader of tribal people, but he was a good sportsman too. It is he his credit that he introduced the spirit of sportsmanship in Indian politics. As we give blow and receive blow in sports, similarly we do in democratic politics. There should he no bitterness in our political life. It is a lesson which the politicians of today could learn from him. I, on behalf of my party, express our condolences to the bereaved family of late Shri Jaipal Singh.

**श्री सेझियान** (कुम्बकोणम) : श्रीमान् मैं अपना और अपने दल की ओर से श्री जयपाल सिंह के अकस्मात निधन पर आपके साथ शोक प्रकट करता हूँ । हमारी शोक संवेदनाए उनके शोक संतप्त परिवार तक प्रेषित कर दी जायें ।

**श्री पी० रामामूर्ति** (मदुरै) : श्री जयपाल सिंह ने छोटा नागपूर के आदिवासी लोगों को यह पाठ पढ़ाया कि दलित तथा पिछड़े हुए लोगों का उत्थान एक मात्र उपाय उनकी संगठित

शक्ति है। उन्हें मुक्ति किसी अन्य के द्वारा नहीं दिलाई जा सकती बल्कि वे संगठित होकर स्वयं ही मुक्त हो सकते हैं। श्री जयपाल सिंह हमारे बीच नहीं रहे किन्तु उनकी यह सफलता अमर रहेगी। उनकी इस सीख से आदिवासी लाभान्वित हुए और वे उसके आधार पर मुक्ति प्राप्त करते रहेंगे। अपने दल की ओर से मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी शोक संवेदनाएं बेगम जहांआरा तक पहुँचा दी जाये जिनके पति विश्व में नहीं रहे हैं।

**Shri Madhu Limaye** (Monghyr) : Dr. Jaipal Singh was a colourful and disciplined personality. He is no more with us. He was a son of the soil in the real sense. It was Jaipal Singh who roused consciousness in trible people towards their rights and self-respect on my behalf and on behalf of my party, I express my deep feelings on his sad demise.

**Shri Ram Avtar Shastri** (Patna) : Mr. Speaker, today we received a very shocking news about the sudden demise of Shri Jaipal Singh. He was great personality not only in this House but in the whole of the country. His demise is a big blow not only to the tribal people but to those who have been fighting against the exploitation and suppression. He was a leader not only in social field but political sphere also. He championed the cause of tribal people at that time, when nobody cared for them. He was founder leader of Jharkhand party. Thus he was a dynamatic personality. This death is a loss for all of us. I, on behalf of myself and my party pay my tributes to the departed leader and request to convey our coindolences to his bereaved family.

**Shri Surendranath Dwivedi** (Kendrapore) : I, on behalf of myself and my party, express our condolences on the sad and sudden demise of Shri Jaipal Singh. The work, which he did in political and cultural fields will always be remembered. He led the tribals to better status not only in Bihar but all over India. He championed the cause of Tribal people in the same way as Thakkar Bapa did for Harijans and tribal people. It is very unfortunate for us that we have lost a great and able parliamentarian. I request the Speaker to convey our condolences to his bereaved family.

**Shri Prakash Vir Shastri** (Hapur) : Mr. Speaker, I had occasion to work with him in first, second and third Lok Sabha. I found him a man of amiable temperament. He was a thorough humourous man inspite having political differences with his opponents he had always cordial personal relations with them. He was cordial to all. On my insistence to speak in Hindi, he assured me to speak in Hindi in Parliament and he sometimes spoke in Hindi though he experienced difficulty in doing so.

I pay my tributes to the jolley, jubilant and senior member of this House, who suddenly passed away today. I request you kindly to convery our condolences to his bereaved family.

**श्री तेन्नेटि विश्वनाथम** (विशाखापटनम) : श्रीमान्, आपने तथा विभिन्न दलों के नेताओं ने इतना कुछ कह दिया है कि मेरे पास शेष कुछ रहा ही नहीं है। श्री जयपाल सिंह एक विलक्षण व्यक्तित्व थे। वह एक जाने-माने संसदविज्ञ और स्पष्ट एवं सत्य वक्ता थे। वह सभा में और बहार सभी को प्रिय थे। मैं, अपनी तथा अपने दल की ओर से उन्हें भावभरी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूँ कि हमारी शोक संवेदनाएं उनके शोक-संतप्त परिवार की प्रेषित कर दी जाये।

**अध्यक्ष महोदय** : अब सभा शोक प्रकट करने के लिए थोड़ी देर के लिए मौन खड़ी हो जाये।

**इसके पश्चात सदस्य थोड़ी देर तक मौन खड़े रहे ।**

**The Members then stooed in silence for a short while.**

**अध्यक्ष महोदय** : सभा के स्थगित किये जाने से पूर्व संसदीय कार्य मंत्री सभा के कार्य बारे में कुछ कहना चाहते हैं ।

**संसदीय-काय और नौवहन तथा परिवहन मंत्री (श्री रघु रामैया)** : मैं यह अनुरोध करना चाहता हूं कि बैंककारी कम्पनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण तथा स्थानान्तरण) विधेयक को, जो 26 तारीख को राज्य सभा में जायेगा, इस सभा में 24 तारीख को पारित कर दिया जाये । उसके लिए केवल 7 घंटे शेष है । यदि 24 तारीख को मध्याह्न भोजन के लिए निर्धारित समय को भी सभा के कार्य के लिए उपयोग में लाया जाये तो उक्त विधेयक उस दिन पास किया जा सकता है ।

**अध्यक्ष महोदय** : दिवंगत सदस्य की स्मृति में सभा स्थगित की जाती है ।

**इसके पश्चात लोक सभा मंगलवार 24 मार्च, 1970/3 चैत्र, 1892 (शक) के 11 बजे तक के लिए स्थगित हुई ।**

**The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, the 24th March, 1970/Chaitra 3. 1892 (Saka).**